



चुनाव चहिन को लेकर वविाद

प्रलिमिंस के लयि :

चुनाव चहिन, नरिवाचन आयोग, ईवीएम, चुनाव चहिन (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968 ।

मेन्स के लयि:

चुनाव और संकल्प पर वविाद ।

चरचा में क्यौं?

हाल ही में एक राजनीतिक दल ने पार्टी के चुनाव चहिन पर दावा करने के लयि भारत के [नरिवाचन आयोग \(ECI\)](#) से संपर्क कयिा है ।

चुनाव चहिन:

- चुनाव चहिन कसिी राजनीतिक दल को **आवंटति एक मानकीकृत प्रतीक** है ।
- इस चहिन का उपयोग पार्टियों द्वारा अपने प्रचार अभियान के दौरान कयिा जाता है और **इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM)** पर इसे दर्शाया जाता है, जहाँ मतदाता संबंधित पार्टी के चहिन के आधार पर अपना प्रतनिधि चुनता है ।
- इसका प्रावधान मुख्यतः नरिक्षर लोगों द्वारा मतदान की सुवधि के लयि पेश कयिा गया था, जो वोट डालते समय पार्टी का नाम पढ़ने में अक्षम होते हैं ।
- 1960 के दशक में यह प्रस्तावति कयिा गया था कि चुनावी प्रतीकों का वनियिमन, आरक्षण और आवंटन संसद के एक कानून यानी प्रतीक आदेश के माध्यम से कयिा जाना चाहयि ।
 - इस प्रस्ताव के जवाब में ECI ने कहा कि राजनीतिक दलों की मान्यता की नगिरानी **चुनाव चहिन (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968** के प्रावधानों द्वारा की जाती है और इसी तरह से प्रतीकों का आवंटन होगा ।

ऐसे वविादों में चुनाव आयोग की शक्तयिाँ:

- **चुनाव चहिन (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968** चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों को मान्यता देने और चुनाव चहिन आवंटति करने का अधिकार देता है ।
 - आदेश के पैरा 15 के तहत यह प्रतदिवंदवी समूहों या कसिी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के वर्गों के बीच वविादों को अपने नाम और प्रतीक पर दावा करने का फैसला कर सकता है ।
- प्रतदिवंदवी समूहों के बीच प्रतनियुक्ति पर प्रतीक आदेश कहता है कि चुनाव आयोग को मामले के सभी उपलब्ध तथ्यों और परस्थितियों पर वचिर करने के बाद नरिणय लेने का अधिकार है कि एक प्रतदिवंदवी वर्ग या समूह या ऐसा कोई भी प्रतदिवंदवी वर्ग या समूह मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल नहीं है ।
- आयोग का नरिणय ऐसे सभी प्रतदिवंदवी वर्गों/समूहों पर बाध्यकारी होगा ।
 - यह मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य दलों के बीच वविादों पर लागू होता है ।
- पंजीकृत लेकनि गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों में वविाजन के लयि चुनाव आयोग आमतौर पर युद्धरत गुटों को अपने मतभेदों को आंतरिक रूप से हल करने या अदालत जाने की सलाह देता है ।

चुनाव आयोग द्वारा नरिधारण:

- ECI मुख्य रूप से एक राजनीतिक दल के भीतर अपने संगठनात्मक इकाई और उसके वधियी इकाई में दावेदार द्वारा प्राप्त समर्थन का पता लगाता है ।
- संगठनात्मक संभाग के मामले में आयोग पार्टी के एकजुट होने की स्थिति में पार्टी के संवधिन और इसके पदाधिकारियों की प्रस्तुत सूची की जाँच करता है ।

- भारत नरिवाचन आयोग संगठन में शीर्ष समति (समतियों) की पहचान करता है और पता लगाता है किकतिने पदाधिकारी, सदस्य या प्रतनिधि प्रतदिवंदवी दावेदारों का समर्थन करते हैं।
- वधायी संभाग के मामले में पार्टी/दल प्रतदिवंदवी शविरिों में सांसदों (संसद सदस्य) और वधायकों (वधानसभा सदस्य) की संख्या का आकलन करती है। नरिवाचन आयोग इन सदस्यों द्वारा दायर कथि गए हलफनामों पर वचिर कर सकता है ताकथिह पता लगाया जा सके कथि वै कसिका समर्थन करते हैं।
- EC। एक गुट के पक्ष में वविाद का फैसला कर सकता है कथिह मान्यता प्राप्त पार्टी के नाम और प्रतीक के हकदार होने के लथि अपने संगठनात्मक तथा वधायी वगि में पर्याप्त समर्थन प्राप्त करता है।
- यह दूसरे समूह को स्वयं को एक अलग राजनीतिक दल के रूप में पंजीकृत करने की अनुमति दे सकता है।

क्या होता है जब कोई नश्चितता नहीं होती है?

- जब भी कोई राजनतिक दल या तो उर्ध्ववाधर रूप से वभिाजति होता है नश्चिति रूप से यह कहना संभव नहीं होता है किकिसि समूह के पास बहुमत है, तो ऐसी स्थिति में नरिवाचन आयोग राजनतिक दल के प्रतीक चहिन को फ्रीज कर सकता है और समूहों को नए नामों के साथ स्वयं को पंजीकृत करने या पार्टी के मौजूदा नामों में उपसर्ग या प्रत्यय जोड़ने की अनुमति दे सकता है।

क्या होता है जब भवषिय में प्रतदिवंदवी गुट फरि से एकजुट हो जाते हैं?

- यदथिे फरि से एकजुट हो जाते हैं, तो दावेदार पुनः नरिवाचन आयोग से संपर्क कर सकते हैं और एक एकीकृत पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त करने की मांग कर सकते हैं।
- नरिवाचन आयोग के पास दलों के वलिय को एक इकाई दल के रूप में मान्यता देने का भी अधकिार है। यह मूल पार्टी के प्रतीक और नाम को पुनरस्थापति कर सकता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/dispute-over-electoral-symbol>

